मनकोम्बु संबासविन (एम.एस) स्वामीनाथन

मनकोम्बु संबासिवन (एम.एस) स्वामिनाथन (7 अगस्त 1925 - 28 सितंबर 2023)

"महात्मा गांधी ने कहा था कि निर्धन और भूखे जनों को रोटी के रूप में भगवान दिखाई देते हैं, यदि एक अन्य रूप में देखें तो वह ईश्वर डॉ. स्वामीनाथन हैं, जिनकी नित्यप्रति भोजन करते समय प्रत्येक नागरिक को पूजा करनी चाहिये"

यह प्रसिद्ध हैं

- हरित क्रांति के जनक के रूप में
- UNEP द्वारा आर्थिक पारिस्थितिकी के जनक के रूप में

समयावधि

- **1947-49:** स्वतंत्रता के पश्चात्,भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI), नई दिल्ली को ज्वॉइन किया।
- **1949-54:** यूनेस्को फेलोशिप, डॉक्टरेट और पोस्टडॉक्टरल की उपाधि।
- **1965-70:** भारत में हरित क्रांति का नेतृत्व (नॉर्मन बोरलॉग के साथ)।
- **1972-88:** ICAR के प्रमुख रहे, DG-IRRI (प्रथम एशियाई) के रूप में संपूर्ण एशिया में चावल अनुसंधान में क्रांति ला दी।
- **1987-89:** एम.एस स्वामीनाथन अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में स्थापित हुआ।
- **1990-02:** विज्ञान और विश्व पर पगवाश सम्मेलन की अध्यक्षता की (2002-07)।
- **2004-13:** राष्ट्रीय किसान आयोग के अध्यक्ष रहे।
- **2013-23:** सतत् कृषि, पोषण, सुरक्षा आदि पर एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (MSSRF) का संचालन किया।

प्रमुख पुरस्कार

- पद्मश्री,1967
- सामुदायिक नेतृत्व के लिये रमन मैग्सेसे पुरस्कार, 1971
- पद्मभूषण,1972
- प्रथम विश्व खाद्य पुरस्कार,1987
- पद्म विभूषण,1989
- यूनेस्को का महात्मा गांधी पुरस्कार, 2000
- भारत रत्न, 2024 (मरणोपरांत)

एम एस स्वामीनाथन को टाइम्स पत्रिका द्वारा 20वीं सदी के 20 सबसे प्रभावशाली एशियाई लोगों की सूची में शामिल किया गया था।

Drishti IAS

और पढ़ें: [हरित क्रांति]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/monkomb-sambasivan-swaminathan